

ट्रम्प ने तेहरान पर परमाणु हमले की धमकी दी

सोशल मीडिया पर, जहां तात्कालिकता और दृश्यता के दबाव में कूटनीतिक शिष्टाचार तेजी से कमजोर हो रहा है, एक राष्ट्राध्यक्ष के शब्द न केवल प्रतीकात्मक, बल्कि कानूनी और रणनीतिक महत्व भी रखते हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रम्प का हाल ही में उनके सत्यापित सोशल मीडिया अकाउंट पर दिया गया बयान इस वास्तविकता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है:

“ईरान को वह ‘सौदा’ करना चाहिए था जो मैंने उनसे करने को कहा था। कितना अफसोस और मानव जीवन की बर्बादी। साधारण शब्दों में, ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकता। मैंने बार-बार यही कहा है! सभी को तुरंत तेहरान खाली कर देना चाहिए!”

— डोनाल्ड जे. ट्रम्प (@realDonaldTrump)

यह बयान, जो संयुक्त राज्य अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति द्वारा दिया गया है — जो अमेरिकी कानून के तहत सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर के रूप में, जिसमें परमाणु क्षमताएं भी शामिल हैं, विशेष अधिकार रखते हैं — केवल बयानबाजी नहीं है। यह एक अन्य संप्रभु राष्ट्र के खिलाफ बल प्रयोग की धमकी का गठन करता है। ऐसा करके, यह अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 2(4) के तहत गंभीर चिंताएं उठाता है, जिसमें कहा गया है:

“सभी सदस्य अपने अंतरराष्ट्रीय संबंधों में किसी भी राज्य की क्षेत्रीय अखंडता या राजनीतिक स्वतंत्रता के खिलाफ बल के उपयोग या धमकी से बचेंगे, या किसी भी अन्य तरीके से जो संयुक्त राष्ट्र के उद्देश्यों के साथ असंगत हो।”

I. वक्ता की कानूनी प्राधिकार: अमेरिकी राष्ट्रपति सैन्य कमांडर के रूप में

राष्ट्रपति ट्रम्प, जो व्यक्तिगत और आधिकारिक संचार के बीच की रेखाओं को धुंधला करने के लिए जाने जाते हैं, संयुक्त राज्य अमेरिका के मुख्य कार्यकारी और सैन्य प्राधिकारी के रूप में बोलते हैं। उनकी शक्तियों में शामिल हैं: - युद्ध शक्ति संकल्प के तहत कांग्रेस की मंजूरी के बिना सैन्य अभियानों का आदेश देना - परमाणु हथियारों को लॉन्च करने की एकमात्र प्राधिकार, जैसा कि अमेरिकी सैन्य सिद्धांत द्वारा लंबे समय से पुष्टि की गई है

जब संयुक्त राज्य अमेरिका का राष्ट्रपति एक सार्वजनिक बयान जारी करता है जिसमें राजधानी को तत्काल खाली करने की मांग की जाती है — इस मामले में, तेहरान — तो दुनिया को इसे निष्फल अटकलें नहीं, बल्कि आसन्न सैन्य कार्रवाई का संभावित संकेत समझना चाहिए, जिसमें संभवतः सामूहिक विनाश के हथियार शामिल हों।

II. कानूनी मानक: “बल प्रयोग की धमकी” क्या है?

अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (ICJ) और कई शैक्षणिक व्याख्याओं के अनुसार, एक बल प्रयोग की धमकी तब मौजूद होती है जब कोई राज्य सशर्त या बिना शर्त बल प्रयोग करने का इरादा घोषित करता है, जिससे किसी अन्य राज्य पर अपने व्यवहार को बदलने के लिए जबरदस्ती दबाव बनता है। उदाहरण के लिए, ICJ के परमाणु हथियारों की धमकी या उपयोग की वैधता पर सलाहकार राय (1996) में, अदालत ने माना कि:

“‘धमकी’ और ‘उपयोग’ की अवधारणाएं... इस अर्थ में एक साथ खड़ी हैं कि यदि किसी दिए गए मामले में बल का उपयोग अवैध है... तो ऐसी बल का उपयोग करने की धमकी भी अवैध होगी।”

राष्ट्रपति ट्रम्प का बयान, इस दृष्टिकोण से, एक अमूर्त धमकी नहीं है। यह एक विशिष्ट लक्ष्य (तेहरान) की पहचान करता है, एक विशिष्ट शिकायत (ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाएं) को उठाता है, और एक चेतावनी जारी करता है जो बड़े पैमाने पर नागरिक क्षति को संकेत देता है (“सभी को तुरंत खाली करना चाहिए”)। जब इसे राष्ट्रपति की परमाणु हमले को शुरू करने

की ज्ञात प्राधिकार के साथ मूल्यांकन किया जाता है, तो यह एक **विश्वसनीय बल प्रयोग की धमकी** बन जाता है, जो **युद्ध की घोषणा** की सीमा पर है।

III. परमाणु निहितार्थ: निकासी चेतावनी का दायरा और भाषा

ट्वीट का सबसे चिंताजनक तत्व इसकी अंतिम पंक्ति में निहित है:

■ **“सभी को तुरंत तेहरान खाली कर देना चाहिए!”**

यह **स्थानीय या रणनीतिक सैन्य धमकी नहीं है**। यह एक व्यापक चेतावनी है जो **पूरे राजधानी के लिए विनाशकारी परिणामों** को संकेत देती है — जहां 8 मिलियन से अधिक नागरिक रहते हैं। इस तरह की धमकी का पैमाना — विशेष रूप से जब यह परमाणु प्रसार को रोकने के घोषित लक्ष्य के साथ जोड़ा जाता है — दृढ़ता से **परमाणु हथियारों के संभावित उपयोग** की ओर इशारा करता है। एक पारंपरिक हमला शायद पूरे शहर को खाली करने की आवश्यकता नहीं होगी। लेकिन **परमाणु हमला ऐसा करेगा।** 代替

इस तथ्य कि यह बयान बिना किसी तत्काल सार्वजनिक ईरानी उकसावे या सैन्य गतिविधि के आया, इसकी एकतरफा और जबरदस्ती प्रकृति को बढ़ाता है। यह **संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51** में उल्लिखित आनुपातिक और रक्षात्मक सैन्य रुख की मानदंडों से एक स्पष्ट विचलन है, जो केवल एक सशस्त्र हमले के जवाब में आत्मरक्षा की अनुमति देता है।

IV. नजीर और खतरनाक मानदंडों का क्षरण

यह घटना डिजिटल युग में कूटनीतिक और कानूनी बाधाओं के व्यापक क्षरण को दर्शाती है। राष्ट्राध्यक्षों ने तेजी से व्यक्तिगत या अनौपचारिक मंचों का उपयोग **आधिकारिक धमकियों** को जारी करने के लिए किया है, बिना पारंपरिक राज्यकला या कूटनीतिक प्रक्रियाओं से गुजरने के।

ट्रम्प ने पहले ट्विटर के माध्यम से उत्तर कोरिया (“आग और रोष”) और ईरान (“जैसा कि इतिहास में कुछ लोगों ने कभी भुगता है”) के खिलाफ आक्रामक धमकियां दी थीं। हालांकि, यह **नवीनतम बयान धमकी को नाटकीय अतिशयोक्ति से रणनीतिक संकेतन तक बढ़ाता है**। यह **नागरिकों को निशाना बनाता है, सामूहिक विनाश के हथियारों के उपयोग का संकेत देता है, और विशाल बल की धमकी के तहत तत्काल अनुपालन की मांग करता है**।

निष्कर्ष: अनुच्छेद 2(4) का उल्लंघन और एक गंभीर नजीर

प्रश्न में ट्वीट — विश्व की सबसे बड़ी सेना के कमांडर-इन-चीफ, संयुक्त राज्य अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति द्वारा जारी — **संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 2(4) का स्पष्ट उल्लंघन है**। यह **ईरान की क्षेत्रीय अखंडता को धमकी देता है, परमाणु बल के उपयोग का संकेत देता है, और लाखों नागरिकों को तत्काल नुकसान के खतरे में डालता है**।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय, संयुक्त राष्ट्र, और कानूनी विद्वानों को ऐसे बयानों को तुच्छ या बयानबाजी के रूप में नहीं मानना चाहिए। यदि अनियंत्रित छोड़ दिया गया, तो यह एक खतरनाक नजीर स्थापित करता है: कि **डिजिटल युद्ध की घोषणाएं** — ट्वीट्स की भाषा में छिपी हुई — अंतरराष्ट्रीय जवाबदेही की सीमाओं के बाहर मौजूद हो सकती हैं।